

भाव 4. प्रौढ़ावस्था, प्रौढ़ता, पुष्टि 5. वृद्धता, वृद्धावस्था 6. अंत, अवसान, समाप्ति।

परिणद्ध वि. (तत्.) 1. लपेटा हुआ, मढ़ा हुआ, आवृत्त, दूर तक फैला हुआ 2. बाँधा हुआ, जकड़ा हुआ 3. चौड़ा, विशाल, विस्तीर्ण 4. बहुत बड़ा, भारी, विशाल।

परिणमयिता वि. (तत्.) परिणत करने वाला, परिणाम को पहुँचा देने वाला, परिणाम प्राप्त करने वाला।

परिणमित्व पुं. (तत्.) बदलने का स्वभाव, बदलने का धर्म, परिवर्तनशीलता।

परिणय पुं. (तत्.) ब्याह, विवाह, शादी।

परिणयन पुं. (तत्.) ब्याहना, विवाह करने की क्रिया, पाणिग्रहण।

परिणहन पुं. (तत्.) 1. चारों ओर से बाँधने का भाव 2. लपेटने का भाव, आवृत्त करने का भाव।

परिणाम पुं. (तत्.) 1. बदलने का भाव या कार्य, बदलना, एक रूप या अवस्था को छोड़कर दूसरे रूप या अवस्था को प्राप्त होना, रूपांतर प्राप्ति 2. प्राकृतिक नियमानुसार वस्तुओं का रूपांतरित होना, रूप परिवर्तन होना 3. विकृति, विकार प्राप्ति।

परिणामक पुं. (तत्.) 1. नेता, पथप्रदर्शक 2. सेनापति 3. स्वामी, पति, भर्ता 4. पति, विवाह करने वाला **वि.** 1. परिणाम लाने वाला 2. रूपांतर लाने वाला।

परिणामदर्शी वि. (तत्.) 1. किसी कार्य का परिणाम पहले ही जान लेने वाला, दूरदर्शी 2. फल पर विचार कर या सोचकर कार्य करने वाला।

परिणामदृष्टि स्त्री. (तत्.) 1. किसी कार्य के परिणाम को जान लेने की शक्ति 2. भविष्यफल की ओर दृष्टि।

परिणामन पुं. (तत्.) 1. परिणत करना, पूर्ण पुष्ट करना, वर्द्धित करना, बढ़ाना 2. परिणाम प्राप्त करना 3. जातीय या संघीय वस्तुओं का उपभोग।

परिणामपथ्य पुं. (तत्.) अच्छे परिणामवाला, उत्तम फलदाई।

परिणामवाद पुं. (तत्.) 1. जगत की उत्पत्ति तथा उसके नाश आदि नित्य परिणामों पर विचार करने वाला सिद्धांत 2. सांख्य मत का एक सिद्धांत।

परिणामवादी वि. (तत्.) 1. परिणामवाद को मानने वाला, सांख्यमत का अनुयायी, परिणामवाद संबंधी।

परिणामशूल पुं. (तत्.) भोजन पचते समय पेट में पीड़ा होने वाला रोग।

परिणामिक वि. (तत्.) 1. जो सुपाच्य हो, सरलता से पचने वाला।

परिणामिनित्य वि. (तत्.) जो नित्य हो लेकिन परिवर्तनशील हो, जिसकी सत्ता स्थिर हो परंतु आकार और रूप बदलता रहे, जो नित्य एवं अविनाशी हो तथा परिणामशील भी हो।

परिणामी वि. (तत्.) 1. जो परिवर्तनशील हो, जो बदलता रहे, परिवर्तनधर्मी 2. परिणामस्वरूप होने या घटने वाला 3. परिणाम विषयक या संबंधी 4. परिणामदर्शी।

परिणाह पुं. (तत्.) 1. विस्तार, फैलाव 2. विशालता, चौड़ाई, घेरा, परिधि 3. दीर्घ श्वास, लंबी श्वास।

परिणाहवान वि. (तत्.) विस्तारयुक्त, फैला हुआ, प्रशस्त।

परिणाही वि. (तत्.) विस्तृत, विस्तारयुक्त, फैला हुआ।

परिणिसक पुं. (तत्.) 1. चूमने वाला, चुंबनकारी 2. भक्षक, खाने वाला।